द आई.सी.एफ.ए.आई विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

Guest lecture organized on International Women's Day

The ICFAI University, Raipur, celebrated International Women's Day on 8th March 2025 by organizing a guest lecture and a 7-day skill development training program (basic computer training) for rural women, conducted by the Women's Grievance Redressal and Internal Complaints Cell. Dr. Pratibha Mukherjee Sahukar, Principal of Durga Mahavidyalaya Raipur, was the keynote speaker and discussed the evolving status and significant contributions of women in a developing India. She highlighted how women are breaking barriers, achieving excellence in various fields, and playing an essential role in the nation's growth. Students from different faculties also shared their views on women's empowerment, their roles in business, and their growing influence across sectors.

The event was graced by the university's Vice Chancellor, Dr. S.P. Dubey, and Registrar, Dr. Manish Upadhyay, who both emphasized the importance of women's contribution to society. Female faculty members from the university, as well as teachers and students from Limtara Higher Secondary Government School, also participated and shared insights on the role of women in shaping a progressive India. The program was coordinated by Dr. Abha Shukla, Anita Pandey, and Seema, with Dr. Ritu Benjamin serving as the host, and Dr. Abha Shukla delivering the vote of thanks.

द आई.सी.एफ.ए.आई विश्वविद्यालय रायपुर के महिला शिकायत निवारण एवं आंतरिक समस्या निवारण प्रकोष्ठ द्वारा 08 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अतिथि व्याख्यान एवं 7 दिवसीय ग्रामीण महिलाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण के अंतर्गत (आधरभूत कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम) का आयोजन किया गया | जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. प्रोतिभा मुखर्जी साहूकार जी (प्राचार्य दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर)उपस्थित रहीं| इन्होंने विकसित भारत में महिलाओं की स्थिति एवं योगदान का उल्लेख कर बताया कि किस प्रकार से आज महिलाएं पितृसत्तात्मक समाज होते हुए भी एक उन्नत शिखर और वैभव पर अपना परचम लहरा रहीं हैं| वह आज देश में शिक्षा, चिकित्सा, सेना और विभिन्न क्षेत्रों में अपना लोहा मनवा रहीं है, आगे उन्होंने कहा कि किसी भी प्रगतिशील समाज और राष्ट्र के विकास की कल्पना महिलाओं के बिना अधूरी है| इसी तारतम्य में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियो द्वारा महिलाओं के बहुमुखी स्वरूप का वर्णन, व्यावसायिक क्षेत्र में योगदान, महिला सशक्तिकरण जैसे विभिन्न विषयों पर अपने विचारों को विस्तार पूर्वक प्रस्तुत किया गया |

द आई.सी.एफ.ए.आई विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.एस.पी दुबे ने इस अवसर पर अपने उदबोधन में कहा कि उन सभी महिलाओं को सम्मान जो समाज की दिशा देती है और नए मानक स्थापित करती है , आगे उन्होंने कहा कि आज के विकसित भारत में महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहीं जो महिला सशक्तिकरण एवं उनका हर क्षेत्र में उपस्थिति को प्रदर्शित करता है|

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ.मनीष उपाध्याय ने कहा कि आज की महिलाएं आत्मविश्वास से परिपूर्ण है, जिसका उदाहारण राजनीति के गलियारों से लेकर विकास के हर क्षेत्र में देखने को मिल रहा है |

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के महिला प्राध्यापकों ने एवं लिमतरा हायर सेकेंडरी गवर्नमेंट स्कूल की शिक्षिकायें और छात्राओं ने भी भाग लिया एवं विकसित भारत में महिलाओं की भूमिका का वर्णन किया| इस कार्यक्रम का आयोजन महिला शिकायत निवारण एवं आंतरिक समस्या निवारण प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ.आभा शुक्ला, अनिता पाण्डेय एवं सीमा द्वारा किया गया| इस कार्यक्रम का संचालन डॉ.रितु बेंजामिन ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ.आभा शुक्ला द्वारा किया गया |